कार्यालय प्राचार्य
विजयाराजे शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
(NAAC Accredited 'B++' Grade)
E-mail: heggpgcmorgwa@mp.gov.in, girlscollegemorar@rediffmail.com
Telephone ☎ No. 0751-2368329

क्रमांक................/स्था/2026   दिनांक ....

प्रतिवेदन

वी.आर.जी. महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि
(महाविद्यालय में डॉक्यूमेंट्री,भाषिक प्रस्तुतियां एवं देशभक्ति की शपथ के साथ वीर जवानों के बलिदान को याद किया गया)

विजयाराजे शासकीय कन्या स्नात्कोतर महाविद्यालय मुरार, ग्वालियर में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीस)की छात्राओं द्वारा विविध देशभक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में देश भक्ति एवं जन जागरूकता रैली के साथ हुआ रैली के दौरान कैडेट्स ने भारत माता की जय, वंदे मातरम, "शहीदों का सम्मान राष्ट्र का अभिमान" जैसे उद्घोष के माध्यम से नागरिकों को राष्ट्र प्रेम एवं देश भक्ति का संदेश दिया।

इसके उपरांत एनसीसी एवं एन.एस.एस. की छात्राओं को मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित पूर्व एन.सी.सी. अधिकारी, मेजर राजवीर सिंह किरार ने कारगिल युद्ध की ऐतिहासिक विजय भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस शौर्य एवं पराक्रम का उल्लेख करते हुए छात्राओं को अनुशासन कर्तव्य निष्ठा एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा दी। एन.सी.सी. अधिकारी ले. डॉ मौसमी सिंह ने छात्राओं को संबोधित कर बताया कि देश के वीर शहीदों का बलिदान हमारी अमूल्य धरोहर है जिसे प्रत्येक युवा पीढ़ी को सदैव स्मरण रखना चाहिए। कार्यक्रम में एनसीसी एवं एनएसएस के कैडेट्स ने अपने प्रेरणादाई विचार व्यक्त करते हुए, बताया कि वीर सैनिकों का अदम्य साहस त्याग और बलिदान सदैव देशवासियों को राष्ट्रीयहित एवं राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी की सीनियर अंडर ऑफिसर निकिता तोमर द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का आयोजन एनसीसी अधिकारी ले. डॉ मौसमी सिंह, एन.एस.एस. की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संगीता सिंह एवं डॉ इंदु गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम के समापन पर एनसीसी कैडेट एस एनएसएस वॉलिंटियर्स एवं प्राध्यापकों ने राष्ट्रीयहित एवं राष्ट्रीय एकता की शपथ ली तथा पूरे उत्साह एवं गौरव के साथ राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया।

डॉ. मौसमी सिंह
एन.सी.सी. अधिकारी   **प्रभारी प्राचार्य**

फोटो

मातृभूमि की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं : दुआ

स्वदेश संवाददाता ■ ग्वालियर

सौभाग्यशाली है वे लोग जिन्हें मातृभूमि की सेवा का गौरव प्राप्त होता है। मातृभूमि की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं और महान है वे देशभक्त, जो राष्ट्र के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान कर देते हैं। हम सुख, सुरक्षा और शांति का जीवन व्यतीत कर पा रहे है क्योंकि हमारे बहादुर जवान सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। हम अपने बहादुर सैनिकों के ऋणी हैं। कारगिल युद्ध में हमारे वीर जवानों ने अपनी जान पर खेलकर सीमाओं की रक्षा की और मातृभूमि के गौरव व मान को बढ़ाया।

यह उद्गार कारगिल शहीद सरमन सिंह खेल एवं शिक्षा प्रसार संस्था, बीएसएफ टेकनपुर एवं नगर निगम के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कारगिल विजय दिवस के कार्यक्रम में कर्नल सुमित दुआ ने रविवार को महाराज बाड़ा पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस अवसर पर संत समर्थ तीर्थ महाराज ने कहा कि संत और शहीद एक ही श्रेणी में आते हैं , क्योंकि संत और शहीद त्याग बलिदान का एक अनुपम उदाहरण हैं। कार्यक्रम में पुष्प चक्र अर्पित करने वालों में बीएसएफ कमांडेंट वरुणेंद्र प्रताप सिंह, संत समर्थतीर्थ महाराज, वीर नारी शशि कुशवाह, विपणन प्रबंधक राजीव सक्सेना, आर्म्स कमांडर दीपक सिंह भदौरिया, राजीव गुप्ता, किरण अहिरवार, विनोद विनायक करकरे एवं कर्नल सुमित दुआ ने कारगिल शहीदों को सैल्यूट कर दी। वहीं शाम को तिरंगा यात्रा निकाली गई।

वीर नारियों का हुआ सम्मान: इसी दौरान वीर नारियों का सम्मान किया गया। सम्मान लेने वाली नारियों में वीर नारी शशि कुशवाह पत्नी बलिदानी राजकुमार सिंह, अनीता जादौन पत्नी शहीद घनश्याम सिंह, रेखा देवी पत्नी शहीद सुरेश सिंह, विद्यावती देवी पत्नी शहीद बी.पी.सिंह, उमा देवी चौहान पत्नी शहीद लखपत सिंह, स्नेहलता मिश्रा पत्नी शहीद सुभाष चंद्र मिश्रा, विष्णुमाया जी पत्नी शहीद तेगबहादुर सिंह, रजनी शर्मा पत्नी शहीद सत्येंद्र शर्मा, दुर्गा देवी पत्नी शहीद सुरेश चंद, गुरमीत सिंह पत्नी शहीद सुखदेव सिंह, सुधा देवी पत्नी शहीद रामबाबू, विमला देवी पत्नी शहीद प्रेम नारायण, वीना दुबे पत्नी शहीद भानस्वरूप दुबे शामिल रहे।

'है कितना कीमती इस देश का कण-कण समझते हैं': देर शाम अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें कवियों ने अपनी ओजस्वी वाणी से वीर रस में वीरों की गाथा बखान कर उपस्थित जनसमुदाय को देश भक्ति के रंग डुबो दिया। इस मौके पर पंकज आगर ने माजी पर भी परचम गाड़े मुस्तकबिल भी जीते हैं, लहरों पर जयगान लिखे हैं और साहिल भी जीते हैं। रवीन्द्र रवि ने है कितना कीमती इस देश का कण-कण समझते हैं, समर्पित इस धरा के वास्ते जीवन समझते हैं। फैजान हिंदुस्तानी ने पूर्ण हो गया समर यज्ञ और विजय पताका फहराया, फिर से गर्वित हो अंबर में अमर तिरंगा लहराया।

'राष्ट्र हमेशा अमर बलिदानियों का ऋणी रहेगा'

ग्वालियर। कारगिल की दुर्गम चोटियों पर अदम्य साहस का परचम लहराने वाले वीर शहीदों के बलिदान को याद करते हुए जीवाजी विश्वविद्यालय में रविवार को कारगिल विजय दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय परिवार ने दो मिनट का मौन रखकर अमर जवानों को श्रद्धांजलि दी और उनके शौर्य, त्याग एवं राष्ट्रसेवा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी कुलगुरु प्रो.डी.एन. गोस्वामी, प्रोक्टर प्रो. एस.के.सिंह, प्रो.एस.एन.महापात्रा, प्रो.एसके श्रीवास्तव एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.जे.एन.गौतम द्वारा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। प्रभारी कुलगुरु प्रो. डी.एन. गोस्वामी ने कहा कि भारतीय सेना के वीर जवानों के अद्वितीय साहस और बलिदान के कारण ही देशवासी सुरक्षित एवं स्वतंत्र जीवन जी रहे हैं।

वीआरजी महाविद्यालय में मनाया कारगिल विजय दिवस

विजयाराजे शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुरार, ग्वालियर में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)की छात्राओं द्वारा विविध देशभक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में देशभक्ति एवं जन जागरूकता रैली के साथ हुआ रैली के दौरान कैडेट्स ने भारत माता की जय, वंदे मातरम, शहीदों का सम्मान राष्ट्र का अभिमान जैसे उद्घोष के माध्यम से नागरिकों को राष्ट्र प्रेम एवं देश भक्ति का संदेश दिया। इसके उपरांत एनसीसी एवं एनएसएस की छात्राओं को मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित पूर्व एनसीसी अधिकारी मेजर राजवीर सिंह किरार ने कारगिल युद्ध की ऐतिहासिक विजय भारतीय सैनिकों के अदमय साहस शौर्य एवं पराक्रम का उल्लेख करते हुए छात्राओं को अनुशासन कर्तव्य निष्ठा एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा दी। एनसीसी अधिकारी ले. डा. मौसमी सिंह ने छात्राओं को संबोधित कर बताया कि देश के वीर शहीदों का बलिदान हमारी अमूल्य धरोहर है जिसे प्रत्येक युवा पीढ़ी को सदैव स्मरण रखना चाहिए।

epaperacharan.com

महानगर

आचरण

ग्वालियर सोमवार 27 जुलाई 2026 — 04

मातृभूमि की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं: कर्नल दुआ

कारगिल विजय दिवस पर दी शहीदों को श्रद्धांजलि,बलिदानियों के परिजन सम्मानित

कारगिल विजय दिवस पर विजयाराजे कन्या महाविद्यालय में देशभक्तिपूर्ण कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्र हमेशा अमर शहीदों का ऋणी रहेगा: गोस्वामी

तिरंगा यात्रा निकली, कवि सम्मेलन हुआ

वी.आर.जी. महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि

महाविद्यालय में डॉक्यूमेंट्री,भाषिक प्रस्तुतियां एवं देशभक्ति की शपथ के साथ वीर जवानों के बलिदान को याद किया गया

सीएम के रोड शो में हजारों की संख्या में विभिन्न समाजों के लोग होंगे शामिल

21 बलिदानी छात्रों की स्मृति में हिन्दू महासभा 2 अगस्त को पौधारोपण करेगी:जयवीर भारद्वाज

527 कारगिल के शहीदों को हिन्दू महासभा भवन में श्रद्धांजलि दी

ग्वालियर ■ सोमवार 27 जुलाई 2026 ■ वर्ष-28 ■ अंक-08 ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य-₹04

दैनिक

सत्ता सुधार

जनता के साथ जनता की आवाज

वीआरजी महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि

महाविद्यालय में डॉक्यूमेंट्री,भाषिक प्रस्तुतियां एवं देशभक्ति की शपथ के साथ वीर जवानों के बलिदान को याद किया गया

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

विजयाराजे शासकीय कन्या स्नातकोतर महाविद्यालय मुरार, ग्वालियर में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीस)की छात्राओं द्वारा विविध देशभक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में देश भक्ति एवं जन जागरूकता रैली के साथ हुआ रैली के दौरान कैडेट्स ने भारत माता की जय, वंदे मातरम,' शहीदों का सम्मान राष्ट्र का अभिमान 'जैसे उद्घोष के माध्यम से नागरिकों को राष्ट्र प्रेम एवं देश भक्ति का संदेश दिया। इसके उपरांत एनसीसी एवं एनएसएस की छात्राओं को मुख्य वक्ता पूर्व एनसीसी अधिकारी मेजर राजवीर सिंह किरार ने कारगिल युद्ध की ऐतिहासिक विजय भारतीय सैनिकों के अदमय साहस शौर्य एवं पराक्रम का उल्लेख करते हुए छात्राओं को अनुशासन कर्तव्य निष्ठा एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा दी। एनसीसी अधिकारी ले. डॉ मौसमी सिंह ने छात्राओं को संबोधित कर बताया कि देश के वीर शहीदों का बलिदान हमारी अमूल्य धरोहर है जिसे प्रत्येक युवा पीढ़ी को सदैव स्मरण रखना चाहिए। कार्यक्रम में एनसीसी एवं एनएस एस के कैडेट्स ने अपने प्रेरणादाई विचार व्यक्त करते हुए बताया कि वीर सैनिकों का अदमय साहस त्याग और बलिदान सदैव देशवासियों को राष्ट्रीयहित एवं राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी की सीनियर अंडर ऑफिसर निकिता तोमर द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का आयोजन एनसीसी अधिकारी ले. डॉ मौसमी सिंह, एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ संगीता सिंह एवं डॉ इंदु गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया।

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

Date 27 Jul, 2026 - Newspaper - Page5

Image Text

कारगिल विजय दिवस पर वीरों को किया नमन, शहीद परिवारों का हुआ सम्मान

देश के वीर शहीदों का बलिदान हमारी अमूल्य धरोहर है

राष्ट्र हमेशा अमर शहीदों का ऋणी रहेगा : प्रो. गोस्वामी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

वर्ष 20 | अंक 189 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें www.hindustanexpress.online ग्वालियर, सोमवार 27 जुलाई 2026 email - hindustanexpressbhopal@gmail.com मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

कारगिल विजय दिवस पर कन्या महाविद्यालय में देशभक्तिपूर्ण कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर। विजयाराजे शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुरार में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की छात्राओं द्वारा विभिन्न देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ जनजागरूकता रैली से हुआ। रैली के दौरान कैडेट्स ने भारत माता की जय, वंदे मातरम और शहीदों का सम्मान, राष्ट्र का अभिमान जैसे उदघोषों के माध्यम से नागरिकों को राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व एनसीसी अधिकारी मेजर राजवीर सिंह किरार ने कारगिल युद्ध की ऐतिहासिक विजय का उल्लेख किया। उन्होंने भारतीय सैनिकों के अदम्य

साहस, शौर्य और पराक्रम पर प्रकाश डाला। साथ ही छात्राओं को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा दी। एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. मौसमी सिंह ने कहा कि देश के वीर शहीदों का बलिदान हमारी अमूल्य धरोहर है। इसे प्रत्येक युवा पीढ़ी को सदैव स्मरण रखना चाहिए। कार्यक्रम में एनसीसी एवं एनएसएस की छात्राओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि वीर सैनिकों का साहस, त्याग और बलिदान सदैव देशवासियों को राष्ट्रहित एवं राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

कार्यक्रम का संचालन एनसीसी की सीनियर अंडर ऑफिसर निकिता तोमर ने किया। कार्यक्रम का आयोजन एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. मौसमी सिंह, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संगीता सिंह एवं डॉ. इंदु गुप्ता के मार्गदर्शन में हुआ। समापन अवसर पर एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों एवं प्राध्यापकों ने राष्ट्रीय हित एवं राष्ट्रीय एकता की शपथ ली। अंत में सभी ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान का गायन किया।

राष्ट्र हमेशा अमर शहीदों का ऋणी रहेगा: गोस्वामी

– कारगिल के अमर शहीदों को जीवाजी विश्वविद्यालय ने दी श्रद्धांजलि

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय में रविवार को कारगिल विजय दिवस पूरे सम्मान और देशभक्ति के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय परिवार ने दो मिनट का मौन रखकर अमर जवानों को श्रद्धांजलि दी और उनके शौर्य, त्याग एवं राष्ट्रसेवा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ।

प्रभारी कुलगुरु प्रो. डी.एन. गोस्वामी ने कहा कि भारतीय सेना के वीर जवानों के अद्वितीय साहस और बलिदान के कारण ही देशवासी सुरक्षित एवं स्वतंत्र जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र हमेशा अपने सैनिकों का ऋणी रहेगा और उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। प्रोक्टर प्रो. एस.के. सिंह ने कारगिल युद्ध की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि बताते हुए कहा कि वर्ष 1999 में भारतीय सैनिकों ने विषम परिस्थितियों और कड़ाके की ठंड के बीच अदम्य पराक्रम का परिचय देते हुए कारगिल की चोटियों पर तिरंगा फहराकर विजय प्राप्त की थी। वहीं प्रो. एस.एन. महापात्रा ने कहा कि देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर जवानों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान की भावना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। कार्यक्रम में प्रो. एस.के. श्रीवास्तव ने भी शहीदों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि कारगिल के वीर सपूतों का त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। समापन अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. जे.एन. गौतम ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, शौर्य और बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की विभिन्न अध्ययनशालाओं में कारगिल विजय दिवस पर निबंध लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 15 अगस्त को कुलगुरु द्वारा सम्मानित किया जाएगा।